भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

राज्यर सभा

अतारांकित प्रश्न सं.**134** जिसका उत्तआर

सोमवार, 30 नवंबर, 2015/9 अग्रहायण, 1937 (शक) को दिया जाना है

पत्तानों से प्राप्तं विदेश व्या पार

134. श्री विजय गोयल :

क्याा**पोत परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के विदेश व्यांपार का कुल कितना प्रतिशत मौजूदा बंदरगाहों से होता है;

(ख) इन बंदरगाहों की कुल क्षमता कितनी है और यह क्षमता पर्याप्तग है;

(ग) क्याइ इस क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्यक से नई सरकार ने कोई योजना तैयार की है ; और

(घ) यदि हां , तो उसका ब्यौारा क्या है?

उत्त र

पोत परिवहन राज्या मंत्री

(श्री पोन्. राधाकृष्णकन्)

(क) महोदय, भारतीय व्या पार का मात्रा के आधार पर लगभग 90 प्रतिशत और मूल्यह के आधार पर 70 प्रतिशत परिवहन समुद्र द्वारा किया जाता है।

(ख) 31 .03.2015 की स्थिति के अनुसार महापत्त नों/गैर महापत्तमनों दोनों पत्तिनों की कुल क्षमता 1530.23 मिलियन टन थी। इसमें से महापत्त नों की क्षमता 871.52 मिलियन टन और इसमें से गैर महापत्तनों की 658.71 मिलियन टन थी। इस क्षमता की तुलना में , 2014-15 के दौरान संभाला गया कुल व्यामपार 1052.51 मिलियन टन था। इसमें से महापत्ततनों का हिस्सां 581.34 मिलियन टन और गैर महापततनों का 470.87 एमटी था। इस प्रकार देखा जा सकता है कि मौजूदा व्यातपार को संभालने के लिए उपलब्धस क्षमता पर्याप्तै है।

(ग) और (घ) विशाल जलयानों को स्थापन दिए जाने के लिए नए घाटों के निर्माण , मौजूदा घाटों का उन्नायन , घाटों का यंत्रीकरण , कार्गो संभलाई प्रणालियों के आधुनिक उपकरणों और तंत्र की स्था(पना जिसमें निकर्षण परियोजनाएं शामिल है महापत्तईनों में आरंभ की गई हैं ताकि उनकी क्षमता को बढ़ाया जा सके उन्हेंि अंतर्राष्ट्री□य मानकों के समरूप लाया जाए। संबंधित भीतरी इलाकों की नियमित आधार पर व्यांपार मांग को ध्यामन में रखते हुए क्षमता में क्षमता वृद्धि और आधुनिकीकरण आदि के लिए ऐसी परियोजनाओं की पहचान पत्त नों द्वारा पूरी कर ली गई है।

*****